submitted by the States/UTs and the Reserve Bank of India, on behalf of the implementing banks. The releases take in to account the respective utilisation certificates received at that particular point when they are being released.

देश में रूग्ण उद्योग

1310. **श्री गया सिंह**: क्या उधोग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में कितने बड़े, मझोले और लघु उद्योग रूग्ण स्थिति में है: और

(ख) उपरोक्त रुग्ण उद्योगों के पुनरूद्द्वार के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की जा रही है, इस संबंध में उद्योग –चार और राज्य- वार ब्यौरा क्या है?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : (क) और (ख) देश में बैंकों की सहायता प्राप्त रूग्ण औद्योगिक एककों से संबंधित आकंड़ो का संकलन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किया जाता है । भारतीय रिजर्व बैंक के आकंड़ो के अनुसार मार्च, 1998 के अंत तक की स्थितिनुसार रूग्ण लघु औद्योगिक एककों और रूग्ण / कमजोर गैर-लघु औद्योगिक एककों का उद्योग-वार और राज्य- वार ब्यौरा संलग्न विवरण । और विवरण॥ में दिया गया है। (नीचे देखिए)

सरकार ने औद्योगिक रूग्णता की समस्या से निपटने के लिए कई कदम उठाये है, जिनमेम अन्य बातों के साथ-साथ, निम्न शामिल है:–भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बैकों को दिए गए दिशानिदेश रूग्ण एककों का स्वस्थ एककों के सम्मेलन रूग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम के अंतर्गत औद्योगिक और वित्तिय पुनर्गठन बोर्ड नवीकरण निधि आदि की स्थापना किया जाना।

विवरण

मार्च, 1998 **के अंत तक की स्थितिनुसार गैर-लघु औधोगिक रूग्ण / कमजोर और लघु औधोगिक रूग्ण एककों का उधोग-वार वर्गीकरण**

क्र.स.	**उद्योग**	**गैर-लघु औद्योगिक, रूग्ण/ कमजोर एककों की संख्य ।**	**लघु औधोगिक रूग्ण एककों की संख्या**
1.	इन्जीनियरिंग	240	22875
2.	इलैक्ट्रिकल	131	7349
3.	वस्त्र	457	11065
4.	जूट	29	1333
5.	कागज़	119	3479
6.	रबड़	42	2050
7.	सीमेंट	72	998
8.	लौह और इस्पात	175	4595
9.	चीनी	30	311
10.	रसायन	265	7631
11.	धातु और धात्विक उत्पाद	100	4497
12.	वनस्पति तेल और वनस्पति	75	1240
13.	तम्बाकू और तम्बाकू उत्पाद	3	661

क्र.स.	उद्योग	गैर-लघु औद्योगिक, रूग्ण/ कमजोर एककों की संख्य ।	लघु औधोगिक रूग्ण एककों की संख्या
14.	चमड़ा और चमड़ा उत्पाद	40	2037
15.	हीरे और जवाहरात	7	213
16.	खाद्य उत्पाद व विनिर्माण	96	3359
17.	वाहन, परिवहन उपकरण	44	2827
18.	विविध	551	145016
	योग	2476	221536

विवरण –II

मार्च, 1998 **के अंत तक की स्थितिनुसार लघु औधोगिक रूग्ण एककों और गैर-लघु औधोगिक एककों का राज्यवार वर्गीकरण ।**

क्र.स.	उद्योग	रूग्ण लघु औद्योगिक एककों की संख्या	गैर-लघु औधोगिक रूग्ण/ कमजोर एककों की संख्या
1.	अंडमान और निकोबार	45	–
2.	आंध्र प्रदेश	12074	295
3.	अरूणाचल प्रदेश	456	2
4.	असम	15774	44
5.	बिहार	24935	63
6.	चंडीगढ़	163	3
7.	दादर एवं नगर हवेली	2	8
8.	गोवा	670	13
9.	दमव एवं दीव	5	5
10.	गुजरात	6808	215
11.	हरियाणा	2149	86
12.	हिमाचल प्रदेश	735	32
13.	जम्मू-कश्मीर	1627	7
14.	केरल	8969	85
15.	कर्नाटक	6680	171

क्र.स.	उद्योग	रूग्ण लघु औद्योगिक एककों की संख्या	गैर-लघु औधोगिक रूग्ण/ कमजोर एककों की संख्या
16.	**मध्य प्रदेश**	8348	116
17.	महाराष्ट्र	17925	410
18.	मणिपुर	1919	2
19.	मेघालय	4076	2
20.	मिजोरम	615	—
21.	दिल्ली	3580	34
22.	नागालैंड	1386	2
23.	उडीसा	1889	57
24.	पांडिचेरी	431	15
25.	पंजाब	2376	69
26.	राजस्थान	15655	87
27.	सिक्किम	33	1
28.	तमिलनाडु	12289	198
29.	त्रिपुरा	2011	6
30.	उत्तर प्रदेश	14294	208
31.	पश्चिम बंग़ाल	53617	240
	योग	221536	2476

Industrial growth centres in H.P., Punjab and J&K

1311. SHRI ANIL SHARMA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to Staie:

(a) the number of Industrial Growth Centres completed till date in Himachal Pradesh, Punjab and Jammu and Kashmir and how many are yet to start, Statewise;

(b) the amount of fund, so far, released to these States, State-wise; and

(c) the number of food processing Industries started in the above States, State-wise?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI SIKANDER BAKHT): (a) and (b) Under the growth Centre scheme, 1988 the approved growth centres are to be provided with Central assistance of Rs. 10 crore for development of infrastructure facilities like power, water, telecommunication and banking etc. The growth centres are to be implemented by the State Governments their implementating agency. The details of the growth centres allotted and approved in